दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्याससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 ‖ Postal Registration No-055/Raigarh DN CG ‖ रायगढ़, बुधवार 29 दिसंबर 2021 ‖ पृष्ठ-4, मूल्य 3 रूपए ‖ वर्ष-04, अंक- 92

महत्वपूर्ण एवं खास

कोरोनाकाल में अनाथ हुए 3481 बच्चों को मिलेगा पीएम केयर्स बाल योजना का लाभ

नई दिल्ली (आरएनएस)। कोरोना महामारी में अनाथ हुए 3481 बच्चों को पीएम केयर्स बाल योजना का लाभ मिलेगा। इस योजना के तहत 6098 आवेदन सरकार को मिले थे, जिनमें से 3481 बच्चों का चयन हुआ है। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने कहा कि जिला अधिकारियों ने इन आवेदनों की जांच के बाद पात्र लाभार्थियों का चयन किया है। इस योजना के तहत लाभ देने के लिए 3275 बच्चों के डाक घर में खाते खोले गए हैं। योजना के तहत हर बच्चे को प्रतिमाह 2000 रुपये गैरसंस्थागत देखभाल के लिए दिये जाएंगे वहीं चाइल्ड केयर में रहने वाले बच्चों को हर महीने 2160 रुपये दिये जाएंगे। मंत्रालय ने यह भी बताया कि देशभर में 704 वन स्टॉप सेंटर या सखी सेंटर बनाए गए हैं।

रेलवे में नौकरी दिलाने के नाम पर युवक से 16 लाख की ठगी

पिथौरागढ़ (आरएनएस)। उत्तराखण्ड के पिथौरागढ़ जिलें में रेलवे में नौकरी दिलाने के नाम पर लाखों की ठगी करने वाले एक व्यक्ति को पुलिस ने मेरठ से गिरफ्तार किया है। जबकि दूसरा आरोपी अब भी फ़रार है। इधर, पुलिस मामले की जांच में कर रही है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक सत्याल गांव निवासी भूपेंद्र सिंह मेहता ने बीते 16 अक्तबूर को थाने में तहरीर दी। उन्होंने गिरधरपुर (यूपी) निवासी कपिल धामा और खेड़ीपट्टी (यूपी) निवासी सुधीर मलिक पर रेलवे में नौकरी दिलाने के नाम पर 16 लाख 30 हजार ठगी करने आरोप लगाया। युवक की तहरीर के बाद पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ धारा 420, 467, 468 के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। बीते रोज पुलिस ने कपिल धामा को मेरठ से गिरफ्तार किया। पुलिस ने कहा आरोपी गिरफ्तारी से बचने के लिए बार-बार अपने ठिकाने बदल रहा था। वहीं, दूसरे आरोपी की भी खोजबीन जारी है। टीम में थानाध्यक्ष हीरा सिंह डांगी, कांस्टेबल धर्मेंद्र भारती, बलवंत वल्दिया, अरविंद कुमार, मनोज कुमार रहे।

अज्ञात वाहन की टक्कर से तीन युवकों की मौत, लोगों में आक्रोश

प्रयागराज (आरएनएस)। उत्तरप्रदेश के प्रयागराज जिले के कोरांव थाना क्षेत्र में स्थित अयोध्यापुल पर मंगलवार सुबह तीन युवकों का शव पाया गया। परिवार के लोगों कहना है कि उनकी हत्या की गई है। जबकि पुलिस का कहना है कि अज्ञात वाहन की चपेट में आने से युवकों की मौत हुई। फ्लिहाल आगे की जांच की जा रही है। कोरांव के गजाधरपुर गांव निवासी विकास केसरी (25) और उसका छोटा भाई आकाश केशरी (22) वर्ष पड़ोसी मौनी आदिवासी (20) के साथ सोमवार रात मोटर साइकिल से ड्रमंडगंज धान का पैसा लेने के लिये गये थे। वे लोग रात को घर वापस नहीं लौटे तो परिवार के लोग खोजबीन करने लगे। मंगलवार सुबह तीनों का शव अयोध्या पुल पर मिला। घटनास्थल पर मोटर साइकिल भी मिली है। घटना से आक्रोशित ग्रामीणों ने चक्का जाम कर दिया है। ग्रामीणों एवं परिवार के सदस्यों का आरोप है कि तीनों की हत्या की गई है। अपर पुलिस अधीक्षक यमुनापार सौरभ दीक्षित ने बताया कि तीन युवकों की मार्ग दुर्घटना में मौत हुई है। तीनों युवकों का शव मोटर साइकिल के नीचे पाया गया है। मामला सड़क दुर्घटना का है। रात में कोहरा होने की वजह से वे लोग अज्ञात वाहन की चपेट में आ गये। फ्लिहाल तीनों का शव कब्जे में लेकर विधिक कार्रवाई की जा रही है।

महाकाल मंदिर में 30 दिसम्बर से तीन जनवरी तक गर्भगृह में प्रवेश पर रोक

उज्जैन (आरएनएस)। ज्योर्तिलिंग महाकाल मंदिर के गर्भगृह में 30 दिसम्बर से तीन जनवरी तक श्रद्धालुओं के प्रवेश पररोक लगा दी गई है। कोरोना संक्रमण के बढ़ते मामलों को देखते हुए मंदिर प्रबंध समिति ने यह निर्णय लिया है। इस दौरान मंदिर के पुजारी, पुरोहित और कर्मचारी ही गर्भगृह में जा पाएंगे। दर्शनार्थियों को नंदीमंडप के पीछे गणेश मंडप से दर्शन कराए जाएंगे।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज कानपुर मेट्रो रेल परियोजना का किया उद्घाटन

नई दिल्ली (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज कानपुर मेट्रो रेल परियोजना के पूर्ण निर्मित खंड का उद्घाटन किया। शहरी आवागमन में सुधार सरकार के प्रमुख ध्यान वाले क्षेत्रों में से एक रहा है। कानपुर मेट्रो रेल परियोजना के पूर्ण निर्मित खंड का उद्घाटन इस दिशा में एक और कदम है।

यह पूरा 9 किलोमीटर लंबा खंड भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान-आईआईटी कानपुर से मोती झील तक है। कानपुर में मेट्रो रेल परियोजना की पूरी लंबाई 32 किलोमीटर है, जिसमें 2 गलियारे हैं, जिनमें से 13 किलोमीटर लंबा रास्ता भूमिगत होगा। इस परियोजना को 11,000 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से बनाया जा रहा है। पहले मेट्रो गलियारे में 21 मेट्रो स्टेशन और दूसरे गलियारे में 8 मेट्रो स्टेशन होंगे।

कानपुर उत्तर प्रदेश का एक औद्योगिक शहर है, जो गंगा नदी के तट पर स्थित है। यह शहर अपने उद्योगों, विशेष रूप से चमड़े और ऊनी कपड़ों के लिए प्रसिद्ध है। कानपुर देश के स्वतंत्रता संग्राम में अपनी भूमिका के लिए भी जाना जाता है। कई प्रमुख संस्थानों के साथ यह शहर शिक्षा के क्षेत्र में भी अग्रणी है। कानपुर की वर्तमान जनसंख्या लगभग 51 लाख है, इसके वर्ष 2041 तक 65 लाख तक होने की उम्मीद है।

कानपुर शहर में बड़े पैमाने पर विकास होने के कारण शहर में वाहनों की संख्या में भारी विस्तार हुआ है। एक तेज गति से चलने वाली बाधा मुक्त सार्वजनिक परिवहन प्रणाली को विकसित और लागू करने की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जा रही थी। इसे देखते हुए केंद्र और राज्य सरकार ने विश्व स्तरीय कानपुर मेट्रो रेल परियोजना का निर्माण करने का फैसला किया।

कानपुर मेट्रो रेल परियोजना के 9 किलोमीटर लंबे खंड का आज उद्घाटन किया गया जिसमें आईआईटी कानपुर और मोती झील के बीच 9 मेट्रो स्टेशन हैं। परियोजना के पूरी होने का कुल समय 5 वर्ष है और इसके पूर्ण होने की कुल लागत 11076.48 करोड़ रुपए है।

कानपुर मेट्रो रेल परियोजना में 2 कॉरिडोर शामिल हैं। पहला गलियारा आईआईटी कानपुर से नौबस्ता 23.8 किलोमीटर लंबा है जबकि दूसरा गलियारा चंद्रशेखर आजाद कृषि विश्वविद्यालय से बर्रा-8 तक 8.6 किलोमीटर लंबा है।

आईआईटी कानपुर से मोती झील (9 खंभों पर बने स्टेशन) तक परियोजना के प्राथमिक गलियारे के 9 किलोमीटर लंबे प्राथमिक खंड पर निर्माण कार्य का उद्घाटन 15.11.2019 को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री द्वारा किया गया था। कोविड महामारी की दो लहरों के बावजूद, कानपुर मेट्रो रेल परियोजना ने निर्माण कार्य की गति को तेज बनाए रखा गया और सभी बाधाओं और चुनौतियों को पार कर लिया गया। यूपीएमआरसी की टीम 2 साल से भी कम समय में सिविल, सिस्टम, ट्रैक, सिग्नलिंग, लिफ्ट और एस्केलेटर, प्राथमिक गलियारे के ट्रैक्शन कार्य जैसे सभी कार्यों को पूरा करने में सक्षम है।

कोविड-19 महामारी की पहली और दूसरी लहर की अवधि के दौरान परियोजना कार्यों में बाधाओं के बावजूद, निर्माण कार्य शुरू होने से 2 साल से भी कम समय में ट्रायल रन किया गया है, जो अपने आप में एक रिकॉर्ड होगा।

महाकालेश्वर मंदिर के दो कर्मचारी निलंबित, दान पेटी की जगह जेब में रख ली भक्तों की दान राशि

उज्जैन (आरएनएस)। मध्यप्रदेश के महाकालेश्वर मंदिर भारत के बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक है. श्रद्धा और आस्था से भरपूर ये जगह शहर शिव नगरी के नाम से भी जानी जाती है. पूरे साल यहां भक्तों की भीड़ उमड़ी रहती है, दुनियाभर से यहां लोग ज्योतिर्लिंग के दर्शन के लिए आया करते हैं. हर साल की शुरूआत ज्यादा तर लोग भगवान का दर्शन कर के ही करते हैं. यहां आने वाले भक्तों को दक्षिणमुखी ज्योतिर्लिंग के दर्शन होते हैं.

अब नया साल आने को है, और इसी बीच विश्व प्रसिद्ध महाकलेश्वर मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़नी शुरू हो गई है. श्रद्धालु महाकाल मंदिर में दर्शन करने पहुंच रहे हैं. ऐसे में बड़ी संख्या में श्रद्धालु दान राशि भी भगवन महाकाल को अर्पण कर रहे है. लेकिन इसी दान में अब महाकाल मंदिर के कर्मचारियों की नियत खराब होने लगी है, कर्मचारी दान में दिए जा रहे पैसे में हेराफेरी करने लगे हैं. उन्हें ना भगवान का डर है और ना ही प्रशासन का.

दान पेटी की जगह जेब में गई भक्तों की दान राशि

ताजा मामला रविवार का है, जब काफी भीड़ के बीच बाहर से आये श्रद्धालुओं ने गर्भ के नादर दर्शन करते समय दान पेटी में डालने के लिए कुछ रुपए पंडित को दिए. पंडित ने उक्त दान राशि गर्भ गृह के निरीक्षक कमल जोशी और मुकेश गुजराती को दे दी. वहीं दोनों कर्मचारियों ने दान की राशि को दान पेटी में नहीं डालते हुए अपनी जेब में रख ली. इस बात की शिकायत जब श्रद्धालु ने मंदिर प्रशासन को की, तो प्रशासन द्वारा तुरंत सीसीटीवी खंगाले गए, जिसमें कर्मचारी द्वारा की गई चोरी पकड़ ली गई. इस वजह से दोनों कर्मचारियों को निलंबित कर दिया और पंडित के ऊपर भी जांच बैठा दी गई।

लुधियाना ब्लास्ट का मास्टरमाइंड जसविंदर जर्मनी से हुआ गिरफ्तार

नई दिल्ली (आरएनएस)। लुधियाना कोर्ट में करीब एक सप्ताह पहले हुए बम धमाके के मामले में जांच जारी है। इन सबके बीच पुलिस ने धमाके में शामिल प्रतिबंधित संगठन सिख फॉर जस्टिस के प्रमुख सदस्य जसविंदर सिंह मुल्तानी को जर्मनी में गिरफ्तार कर लिया है। पता चला है कि इस दहशतगर्द के तार लुधियाना कोर्ट ब्लास्ट से जुड़े हैं। मुल्तानी दिल्ली और मुंबई में कई ठिकानों को निशाना बनाने की भी साजिश रच रहा था। पंजाब में अभी और ब्लास्ट और आतंकी साजिश को अंजाम देने की साजिश रची गई थी। जसविंदर के गिरफ्तार किये जाने के बाद कई अहम खुलासे हुए हैं। बताया जा रहा है कि मुल्तानी ने पंजाब में अभी और ब्लास्ट कराने और आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने की गहरी साजिश रची थी। मुल्तानी को खालिस्तानी आतंकवादी बताया जा रहा है। वो फिल्म एरफर्ट में रह रहा था। मुल्तानी एसएफजे से जुड़ा हुआ है और संगठन अलगावादी एक्टिविटी में काफी सक्रिय माना जाता है। मोदी सरकार ने जर्मन प्रशासन से मुल्तानी को गिरफ्तार करने का आग्रह किया था। जिसके बाद उसे अरेस्ट किया गया है। जसविंदर सिंह मुल्तानी के बारे में कहा जा रहा है कि उसने पंजाब में हैंड ग्रेनेड, विस्फोटक और हथियारों की एक बड़ी खेप पंजाब के भीतर पहुंचाई। इसके बाद वो अचानक सुर्खियों में आ गया। बताया जाता है कि उसने इस काम में पाकिस्तान के कुछ हथियार तस्करों की मदद ली और फिर पंजाब के विभिन्न हिस्सों में यह गैर-कानूनी सामान पहुंचाए।

आयकर विभाग ने घर से 250 करोड़ किए बरामद

» शहर में पुराने स्कूटर से घूमता था पीयूष

नई दिल्ली (आरएनएस)। इत्र कारोबारी पीयूष जैन के घर से आयकर विभाग ने 250 करोड़ रुपये बरामद किए हैं लेकिन सैकड़ों करोड़ रुपये अपने घर में भरकर रखने वाले पीयूष जैन को उनके गांव कन्नौज में उनकी सादगी के लिए जाना जाता था। वह अभी तक पुराने स्कूटर से ही कन्नौज में घूमा करता था। इतना ही नहीं पीयूष जैन ने घर के बाहर दो गाड़ियां रखी थीं, जिनमें से एक

क्रॉलिस और दूसरी मारूति थी।

जैन को करोड़ों रुपये की टैक्स चोरी के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। अधिकारियों को पीयूष जैन के कन्नौज स्थित घर और फैक्ट्री में छापेमारी के बाद कुल 194 करोड़ रुपये कैश और 23 किलोग्राम सोना मिला है। छापेमारी की वायरल तस्वीरों में देखा जा सकता है कि कैसे अधिकारियों को नोट गिनने के लिए मशीन का इस्तेमाल करना पड़ रहा है। पीयूष जैन ने परफ्यूम बनाने की कला अपने पिता से सीखी थी, जो पेशे से केमिस्ट थे। जैन ने कानपुर में अपना परफ्यूम का कारोबार शुरू किया और फिर 15 साल के अंदर इसे देश के अलग-अलग हिस्सों तक फैलाया। पीयूष जैन का कारोबार अब मुंबई और गुजरात में भी काफी चल रहा है। कारोबार के बढ़ते ही, पीयूष ने अपने भाई अमरिश के साथ मिलकर कन्नौज वाले घर को 700 गज की कोठी में बदल दिया। लेकिन स्थानीय लोगों का कहना है कि जब भी पीयूष अपने गांव आता, तो वह अपने पुराने स्कूटर पर ही सफर करता दिखता था। लोग उसकी सादगी देखकर हैरान होते थे। पीयूष जैन को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा गया है। माना जा रहा है कि जैन को पूछताछ के लिए अहमदाबाद भी ले जाया जा सकता है।

ओमिक्रॉन के संभावित खतरे की वजह से दिल्ली में स्कूल-कालेज बंद

» निजी संस्थानों में 50 फ़ीसदी उपस्थिति के साथ होगा काम

नई दिल्ली (आरएनएस)। कोरोनावायरस के नए वेरिएंट ओमिक्रोन के बढ़ते खतरे को देखते हुए राजधानी दिल्ली में अलर्ट लागू कर दिया गया। दिल्ली के स्कूल, कॉलेज, जिम और स्पा को पूरी तरह से बंद कर दिया गया है। ओमीक्रोन के बढ़ते खतरे को देखते हुए दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बैठक की और बैठक के बाद यह ऐलान कर दिया गया की वायरस के चलते दिल्ली के सभी स्कूल कॉलेजों को अन्य संस्थान को बंद और पाबंदी के साथ नियम को लागू करवाया जाए। नियम लागू किए जाने के तहत पहला स्टेज हियलो अलर्ट का होता है इसके तहत तमाम चीजों पर पाबंदी लागू हो जाती है और उन सभी

निजी कार्यालयों को 50त्न उपस्थिति के साथ सुबह 9ः00 से 5ः00 के बीच काम करने के लिए कहा गया है। दरअसल ग्रेप को चारों रंगों में बांटा गया है क्योंकि जब स्थितियां बिगड़ने लगती है तो उसी हिसाब से यलो, आरेंज और रेड अलर्ट जारी कर दिया जाता है। रेड अलर्ट जारी होने पर पूरी तरह से लाकडाउन लगा दिया जाता है। फिलहाल अभी ऐसे हालात नहीं दिख रहे हैं। यलो अलर्ट लागू हो जाने के बाद दुकानें और माल सुबह 10 से रात 8 बजे तक खुलेंगे, वह आड-इवेन के आधार पर खुल सकेंगे। साप्ताहिक बाजार एक जोन में केवल एक ही खुलेगा। इसमें भी शर्त यह होगी कि 50 प्रतिशत दुकानदारों ही अपनी दुकानें संचालित कर सकेंगे।इसके अलावा रात 10 बजे से लेकर सुबह 5 बजे तक नाइट कर्फ्यू रहेगा। शहर के रेस्तरां 50 फीसदी क्षमता के साथ सुबह 8 से रात 10 बजे तक खुलेंगे। बार 50 फीसदी क्षमता के साथ दोपहर 12 से रात 10 बजे तक खुलेंगे। होटल खुल सकेंगे। सिनेमा हॉल,मल्टीप्लेक्स, बैंक्वेट हाल, स्पा, जिम व एंटरटेनमेंट पार्क बंद रहेंगे बार्बर शॉप और सैलून खुल सकेंगे। परिवहन के साधन मेट्रो और बसें 50 प्रतिशत सिटिंग क्षमता पर ही चलेंगी।सोमवार को दिल्ली प्रदेश भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने कहा था कि बीते एक सप्ताह में ओमिक्रोन के मामलों में तेजी से वृद्धि दर्ज हो रही है। ऐसे में विद्यार्थियों की सुरक्षा के लिए उचित कदम उठाए जाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि बच्चों के स्वास्थ्य को सर्वोपरि रखते हुए मेरी दिल्ली सरकार से मांग है कि वह शिक्षण संस्थानों को बंद करे। साथ ही राजधानी को कोरोना से बचाने के लिए रोडमैप बनाने के लिए सर्वदलीय बैठक बुलाई जाए।मालूम हो कि वायु प्रदूषण की स्थिति दिल्ली-एनसीआर में फिलहाल खतरनाक जोन में है, ऊपर से कोरोना के मामलों में तेजी से वृद्धि हो रही है। इन चीजों को देखते हुए दिल्ली सरकार ने स्कूलों और कालेजों को अगले आदेश तक बंद करने का ऐलान कर दिया है।

मरी छिपकली वाला मिड-डे मील खाने के बाद 80 छात्र बीमार, स्कूल के खिलाफ दिए जांच के आदेश

बेंगलुरु (आरएनएस)। कर्नाटक के एक सरकारी स्कूल में मिड-डे मील खाने के बाद 80 बच्चे बीमार पड़ गए। मिड-डे मील में मरी हुई छिपकली मिलने के बाद छात्रों के बीमार पड़ने का मामला सामने आया है। यह मामला कर्नाटक के हावेरी जिले का है।

टंडा गांव के वेंकटपुरा में सरकारी स्कूल के मिड-डे मील में कथित तौर पर मरी हुई छिपकली मिली थी। बीमार हुए सभी 80 छात्रों को रानीबेन्नूर टाउन के सरकारी अस्पताल ले जाया गया।

स्कूल प्रशासन के मुताबिक, सभी छात्रों को इलाज के बाद अस्पताल से छुट्टी मिल गई है और अब वे ठीक हैं।

वहीं, जिला प्रशासन मे अधिकारियों को लापरवाही बरतने की वजह से स्कूल के खिलाफ कार्रवाई करने का आदेश दिया है।

इससे पहले तमिलनाडु के एक सरकारी स्कूल में कीड़े वाले सड़े अंडे मिले थी। यह अंडे किंडरगार्टन के छात्रों को मिड-डे मील में बांटे गए थे।

रक्षा मंत्री ने 24 पुलों तथा तीन सड़कों को वर्चुअल माध्यम से राष्ट्र को किया समर्पित

नई दिल्ली (आरएनएस)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने चार राज्यों तथा दो केंद्र शासित प्रदेशों में सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) द्वारा निर्मित 24 पुलों और तीन सड़कों को 28 दिसंबर 2021 को नई दिल्ली से वर्चुअल माध्यम से आयोजित एक कार्यक्रम में राष्ट्र को समर्पित किया। इन 24 पुलों में से नौ जम्मू और कश्मीर में हैं; लद्दाख एवं हिमाचल प्रदेश में पांच-पांच; उत्तराखंड में तीन तथा सिक्किम व अरुणाचल प्रदेश में एक-एक पुल बनाये गए हैं। तीन सड़कों में से दो लद्दाख में और एक पश्चिम बंगाल में तैयार की गई है। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण आज भारत के पहले स्वदेशी श्रेणी 70 140-फीट डबल-लेन वाले

मॉड्यूलर ब्रिज का उद्घाटन था, जिसे सिक्किम के फ्लैग हिल डोकला और चिसुमले-डेमचोक रोड पर 11,000 फीट की ऊंचाई पर और लद्दाख में 19,000 फीट से अधिक की ऊंचाई पर उमलिंग ला दर्रे पर बनाया गया है। यह दुनिया की सबसे ऊंची मोटर चलाने योग्य सड़क होने का गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड भी रखता है।

राजनाथ सिंह द्वारा ई-उद्घाटन की गई इन परियोजनाओं को देश की उत्तरी तथा पूर्वी सीमाओं के साथ महत्वपूर्ण सड़क अक्ष और कोनों पर पूरा किया गया है। इस अवसर पर संबोधित करते हुए रक्षामंत्री ने इन परियोजनाओं को सीमावर्ती इलाकों की प्रगति के लिए बीआरओ की प्रतिबद्धता का प्रतिबिंब बताया और विश्वास व्यक्त किया कि ये निर्माण कार्य नए भारत के विकास में एक लंबा रास्ता तय करेंगे। उन्होंने कहा कि उमलिंग-ला दर्रे पर बनी हुई सड़क सशस्त्र बलों की तेज आवाजाही, पर्यटन को बढ़ावा देने और क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक विकास को सुनिश्चित करेगी। सिंह ने कहा कि सीमावर्ती क्षेत्रों में सड़कें सामरिक जरूरतों को पूरा करती हैं और देश के विकास में दूरदराज के क्षेत्रों की समान भागीदारी सुनिश्चित करती हैं। उन्होंने शून्य से नीचे के तापमान और ऊंचाई की चुनौतियों के बावजूद इस उपलब्धि को हासिल करने में अपनी दृढ़ता के लिए बीआरओ की सराहना की।

रक्षा मंत्री ने स्वदेशी डबल-लेन मॉड्यूलर ब्रिज को आत्मनिर्भरता का एक शानदार उदाहरण बताया और इस तथ्य की सराहना की कि इसे बेहद कम लागत पर तैयार किया गया है तथा जरूरत पड़ने पर इसे आसानी से तोड़ा जा सकता है। उन्होंने कहा कि यह हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा परिकल्पित मेक इन इंडिया का उद्देश्य प्राप्त करने के मार्ग में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। सिंह ने कहा कि यह सीमावर्ती क्षेत्रों में तेजी से संपर्क प्रदान करने के सरकार के संकल्प का प्रतीक भी है। यह पुल ऐसे क्षेत्रों में और अधिक पुलों के निर्माण का मार्ग प्रशस्त करेगा।

ई-उद्घाटन ने बीआरओ द्वारा निष्पादित बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की संख्या को एक ही कामकाजी सत्र में रिकॉर्ड 102 तक पहुंचा दिया है, यह उपलब्धि भारत की स्वतंत्रता के 75वें वर्ष में हासिल की गई है। बीआरओ ने रिकॉर्ड समय सीमा में निर्माण कार्य पूरा कर लिया है, जिनमें से अधिकांश परियोजनाओं में अत्याधुनिक तकनीक का इस्तेमाल किया गया है। इससे पहले इसी वर्ष जून महीने में राजनाथ सिंह ने आजादी का अमृत महोत्सव के तहत स्वतंत्रता के 75वें वर्ष में 12 सड़कों और 63 पुलों - कुल मिलाकर 75 परियोजनाओं को राष्ट्र को समर्पित किया था।

राजनाथ सिंह ने सीमावर्ती क्षेत्रों में सड़कों, राजमार्गों, सुरंगों एवं पुलों के निर्माण को एक मजबूत तथा समृद्ध राष्ट्र के निर्माण के लिए महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि जो देश अपने मार्ग स्वयं विकसित करता है, वह दुनिया को रास्ता दिखाता है।